माननीय राज्यपाल, हरियाणा प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी द्वारा 14 फरवरी 2015 को राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान (एन0डी0आर0आई0), करनाल के 13वें दीक्षांत समारोह समारोह में दिया गया भाषण।

डा0 मंगला राय जी, प्रो0 डा0 ए0के0 श्रीवास्तव जी, डा0 गुरबचन सिंह जी, डा0 आर0के0 मलिक जी, डा0 के0एम0एल0 पाठक जी, डा0 अरविन्द कुमार जी, एन0डी0आर0आई0 के सभी प्रोफेसर, जिले के सभी प्रशासनिक अधिकारीगण, सभी आमंत्रित महानुभाव और मेरे प्यारे छात्र एवं छात्राएँ जिनको आज उपाधि प्रदत्त की गई है।

आमतौर पर मैं बहुत कम प्रभावित होता हूँ लेकिन NDRI संस्था और आप सबसे आज मैं बहुत प्रभावित हुआ हूँ। यह संस्था 1955 में बैंगलूर से हरियाणा के करनाल में आई। यहाँ आने के बाद यह हरियाणा की शान बन गई। हरियाणा में ही नहीं राष्ट्रीय सत्र पर इसने अपनी कीर्ति स्थापित की है। इस पर हरियाणा को और मुझे भी बहुत गर्व है।

आप सबको आज डिग्री दी गई है। जीवन में कुछ अवसर ऐसे होते हैं जो अविस्मरणीय होते हैं। आप जानते हैं कि देश के अंदर लगभग 700 यूनिवर्सिटीज हैं जिनमें लगभग 2 करोड़ 30 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं। लेकिन इस 2 करोड 30 लाख की संख्या की अगर पूरी आबादी से तुलना करेंगे तो बहुत कम है। इसलिए हम सब भाग्यशाली हैं जिनको अच्छे विश्वविद्यालय, अच्छे महाविद्यालय पढ़ने के लिए मिलते हैं और प्रोफेसर्ज एवं टीचर्ज की मदद से हम शिक्षा के क्षेत्र में डिग्री प्राप्त करते हैं। डिग्री प्राप्त करना जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि है। ये क्षण हमेशा याद रहते हैं।

दूसरा अवसर जीवन में तब आता है जब आप life partner चुनते हैं, आपकी शादी होती है। वह भी जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ है। डिग्री प्राप्त करने के पश्चात जब आपको समाज में काम करने का अवसर मिलता है, तो किसी रूप में भी आपको अवसर मिले वह भी महत्वपूर्ण है। ये कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो हमेशा याद रहते हैं। लेकिन इन क्षणों को याद रखना ही पर्याप्त नहीं है। आप को जीवन में जब अवसर मिलते हैं तो आप उनका उपयोग, उनका क्रियान्यवन, आप समाज में कर्त्तव्य का निर्वहन किस प्रकार करते हैं यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। इसलिए वह संकल्प हमारे मन में हमेशा रहना चाहिए।

एक बात की तरफ डा0 मंगला राय जी ने संकेत किया कि छात्राओं की संख्या ज्यादा है। वास्तव में यह प्रशंसनीय है, उत्साहवर्धक है। अन्य तरह की

faculties हों तो छात्राओं की संख्या ज्यादा हो तो कोई बात नहीं लेकिन यहाँ पर तो जो आपको डिग्री दी जा रही थी उसमें animal word का प्रयोग ज्यादा हो रहा था और इस तरह की संस्था में इतनी बड़ी संख्या में छात्राओं का आना और डिग्री प्राप्त करके तुरंत जॉब में चले जाना यह वास्तव में बहुत बड़ी प्रशंसा का बात है।

आपने आज उपाधि प्राप्त की है। यह उपाधि आपके परिश्रम से तो मिली है लेकिन इसके पीछे समाज का भी योगदान कम नहीं है। हम जो कुछ समाज में आने के बाद बनते हैं उसमें समाज का बहुत बड़ा योगदान रहता है। इसलिए समाज के प्रति हमारा जो कर्तव्य है उसको भी हमें भूलना नहीं चाहिए। अपने प्रति भी कर्तव्य है, परिवार के प्रति भी कर्तव्य है, राष्ट्र के प्रति भी कर्तव्य है, यहाँ पर वे सारी बातें कही गई हैं, उदबोधन में भी इस बात की ओर संकेत किया गया है।

इसलिए मैं हरियाणा का Head of the Family होने के कारण आप सबको बहुत बधाई देता हूँ, आशीर्वाद देता हूँ और आपको जो डिग्री मिली है उसका ठीक तरह से क्रियान्यवयन करके आप अच्छी तरह सफल होंगे इसी अपेक्षा के साथ मैं convocation को समाप्त करता हूँ।

जयहिंद!